09/02/2026

आकाशवाणी ईटानगर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण के तहत छात्रों से बातचीत की। आज जारी की गई वीडियो में, प्रधानमंत्री ने परीक्षा के दौरान तनाव एवं चिंता पर काबू पाने के बारे में जानकारी दी। इस सवाल के जवाब में कि क्या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलॉजी से डरना चाहिए, और छात्र अपना करियर बनाने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं, प्रधनमंत्री ने छात्रों से टेक्नोलॉजी से बिना डरे, जागरुक एवं जिम्मेदारी के साथ अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए इसे सिखने, इनोवेशन एवं विकास के लिए एक टूल के तौर पर इस्तेमाल करने का आह्वान किया।

0000000000000000000000000

अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मेन एवं मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई छगनभाई पटेल, भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को श्रीलंका से वापस लाने के लिए सोमवार को श्रीलंका के कोलंबो पहुंचे। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मेन ने कहा कि, “यह पवित्र और ऐतिहासिक अवसर देश और दुनिया भर के लाखों बौद्ध अनुयायीओं के लिए आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सभ्यतागत महत्व रखता है।”

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार ब्यक्त किया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें इस आध्यात्मिक और राष्ट्रीय महत्व के पल से जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

000000000000000000000000

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण - NDMA के साथ मिलकर आज अरुणाचल प्रदेश, मेघालय और मिज़ोरम में भूकंप पर बहु राज्य मॉक अभ्यास का आयोजन किया गया। आपदा प्रबंधन विभाग, ईटानगर ने बहु राज्य भूकंप परिदृश्य पर एक टेबल-टॉप एक्सरसाइज़ की गई। वेस्ट कामेङ, पाक्के-केसाङ, पापुम पारे और ईटानगर कैपिटल रीजन के DDMOs ने वर्चुअली मॉक ड्रिल में हिस्सा लिया। इस वसर पर NDMA के वरिष्ठ सलाहकार नदीम अरशद ने स्थानिय स्तर पर प्रतिक्रिया की कोशिशों का नेतृत्व करने के लिए राज्य और ज़िला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को मज़बूत बनाने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सेक्रेटरी दानी सालू ने इसमें CBOs, PRIs और NGOs को बड़े पैमाने पर हिस्सा लेने के लिए शामिल करने की अपील की।

000000000000000000000000

तिराप जिले में शिक्षा विभाग ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर एक जिला-स्तरीय समन्वय बैठक का आयोजन किया ताकि आगामी सत्रह फ़रवरी से शुरू हो रहें CBSE 2025-26 के परीक्षाओं को आसान,

निष्पक्ष और शांति से कराया जा सके। बैठक में, ज़िला उपायुक्त तेचू आरान ने पहले से तैयारी के महत्व पर ज़ोर देते हुए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कम से कम एक हफ़्ते पहले एग्जाम सेंटर का दौरा करें ताकि ज़रूरी सुविधाओं की उपलब्धता का पता एवं विभाग की ज़िम्मेदारियों के अनुसार कार्रवाई की जा सके। उन्होंने परिक्षा ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारियों से कहा कि वे अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और लगन के साथ निभाएं ताकि परिक्षा प्रक्रिया बिना किसी परेशानी के हो सकें।

0000000000000000000000

राज्य के शिक्षा एवं संबद्ध क्षेत्रों के मंत्री पासांग दोरजी सोना ने आज वेस्ट कामेंग जिले के कामेनबारी में 'ईगलनेस्ट बर्ड फेस्टिवल' के 5वें संस्करण के हिस्से के तौर पर परम पावन चौदहवें दलाई लामा हेरिटेज ट्रेल को हरी झंडी दिखाई। इस ट्रैल का ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व है, क्योंकि यह उसी रास्ते से होकर जाता है जिससे परम पावन उन्नीस सौ उनसठ में भारत आए थे। इस अवसर पर उन्होंने कामेंगबाड़ी में इको-टूरिज्म कंजर्वेशन कैंप का भी शिलान्यास किया। एक सोशल मीडिया पोस्ट में श्री सोना ने कहा, "इस उत्सव ने जंगल बचाने की शानदार कोशिशों और नई पीढ़ी को बायोडायवर्सिटी बचाने और प्रकृति के साथ तालमेल बिठाकर रहने के लिए जागरूक करने के लिए उठाए गए कदमों को खूबसूरती से दर्शाया है।"

0000000000000000000000000

एनईएच कार्यक्रम के तहत बायो-फोर्टिफाइड चावल की किस्मों पर एक दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण और किसानों के साथ बातचीत कार्यक्रम आज तवांग के ज़ोमखांग हॉल में आयोजित किया गया। सभा को संबोधित करते हुए, DDC NABARD, तवांग कीर्तिका कश्यप ने जिले में किसानों और ग्रामीण समुदायों के लिए NABARD के आने वाले कैपेसिटी-बिल्डिंग प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी। टेक्निकल सेशन के दौरान, किसानों को पहाड़ी इलाकों के लिए सही बायो-फोर्टिफाइड चावल की किस्मों, उनके न्यूट्रिशनल फायदों और खेती के बेहतर तरीकों के बारे में जानकारी दी गई। उन्हें ICAR-IIRR, हैदराबाद द्वारा बनाए गए सॉइल टेस्टिंग किट और बायो-फोर्टिफाइड चावल के बीज भी वितरित किए गए। यह कार्यक्रम KVK तवांग ने ICAR-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ राइस रिसर्च (IIRR), हैदराबाद, के साथ मिलकर आयोजित किया।

0000000000000000000000000

नॉर्थ-ईस्टर्न एलिफेंट रेंज स्टेट्स के लिए क्षेत्रीय कार्य योजना के ड्राफ्ट निर्माण हेतु बनाई गई समीति ने हाल ही में साउथ अरुणाचल एलिफेंट रिज़र्व क्षेत्र का दौरा कर वन विभाग के अधिकारियों एवं स्थानिय समुदायों और हितधारकों से बातचीत की है ताकि मानव-हाथी संघर्ष को कम करने और सतत सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने के लिए

इलाके के हिसाब से रणनीति बनाई जा सकें। इस पहल का उद्देश्य आवास को सुरक्षित कर शिकार विरोधी उपायों को मजबूत करना और मानव-हाथी संघर्ष को कम करना है।

0000000000000000000000000